दूरभाष :05644 - 260495, 260379(O)
फैक्स: 05644 -260565, 260419M: 9549157392

भा.कृ.अनु.प.–सरसों अनुसंधान निदेशालय

सेवर, भरतपुर (राजस्थान) 321 303

डॉ. अशोक कुमार शर्मा
प्रधान वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांकः 03.06.2022

मशरूम उत्पादन बनेगा किसान के लिये सहयोगी एवं लाभकारी फसल

सरसों अनुसंधान निदेशालय में मशरूम उत्पादन इकाई की स्थापना

ढींगरी मशरूम (Oyster Mashroom) या सीप मशरूम बिलकुल किसी सीप की तरह दिखती है यह इतनी ज्यादा पौष्टिक होती है कि इसका सेवन आपको नॉनवेज से ज्यादा पोषक तत्व देता है। आज दिनांक 25 जुलाई, 2022 को भा.कृ.अनु.प.–सरसों अनुसंधान निदेशालय, सेवर, भरतपुर में मशरूम उत्पादन इकाई की स्थापना करके पहली कटाई के अवसर पर माननीय निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार राय ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर निदेशालय के फसल सुरक्षा प्रभारी व मशरूम उत्पादन इकाई के प्रभारी डॉ. प्रभुदयाल मीना तथा प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पंकज शर्मा भी उपस्थित रहे। इकाई की विस्तृत जानकारी मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री हरि प्रसाद ने अवलोकन करने के दौरान दी। डॉ. राय ने कहा कि किसान भाई व किसान महिलाऐं इसके उत्पादन के लिए खेती से प्राप्त फसलों के अवशेष जैसे सरसों, गेहूं, ज्वार, बाजरा, एवं मक्का आदि के भूसे को उपयोग में लेकर अपने घर पर ही कम संसाधनों के साथ कम जगह, कम समय के साथ इसकी खेती को कम लागत में शुरू करके कई गुना मुनाफा कमाया जा सकता है। फसल उत्पादन के साथ–साथ मशरूम–सरसों–मधु को एकीकृत करके किसानों की आमदनी को बढाने का एक अभिनव प्रयास किया जा सकता है। भविष्य में किसानों को इसका प्रशिक्षण निदेशालय पर ही दिया जा सकेगा। निदेशालय पर मशरूम उत्पादन के लिए डॉ. राय ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए इसमें लगे कर्मचारियों को बधाई दी तथा उन्होनें इसके उत्पादन को विस्तृत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान श्री राकेश गोयल, श्री रामसिंह एवं श्री गोविन्द प्रसाद आदि तकनीकी अधिकारी/कमचारी उपस्थित रहे।

(अशोक कुमार शर्मा)

मशरूम उत्पादन होगा किसानों के लिए मुख्य आय का स्रोत

बयाना (हुक्मनामा समाचार)। सेवर क्षेत्र में स्थित सरसों अनुसंधान केंद्र में मशरूम उत्पादन इकाई की स्थापना की गई। डॉ प्रशांत यादव से हुई प्राप्त जानकारी के अनुसार संस्थान में मशरूम उत्पादन की पहली कटाई के अवसर पर संस्थान के निदेशक पी के रॉय ने फीता काटकर शुभारंभ किया।इस अवसर पर निदेशालय के फ़सल सुरक्षा प्रभारी डॉ प्रभु दयाल मीणा तथा प्रधान वैज्ञानिक डॉ पंकज शर्मा उपस्थित रहे।इकाई की विस्तृत जानकारी मुख्य तकनीकी अधिकारी हरी प्रसाद जी ने दी।डॉ पी के रॉय ने जानकारी देते हुए कहा कि किसान भाई बहिन इसके उत्पादन के लिए परंपरागत रूप से उगाई जाने वाली फसलों के भूसे से कम से कम लागत व कम समय मे ,कम संसाधनों से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।भविष्य में किसानों को इसका प्रशिक्षण निदेशालय पर ही दिया जाएगा।डॉ रॉय ने निदेशालय में उपस्थित सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम के दौरान राकेश गोयल, रामसिंह तथा गोविंद प्रसाद तकनीक अधिकारी उपस्थित रहे।